



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 24] नई दिल्ली, शनिवार, जून 16—जून 22, 2007 (ज्येष्ठ 26, 1929)

No. 24] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 16—JUNE 22, 2007 (JYAIESTHA 26, 1929)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ सं.

भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

617

भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

551

भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असंविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

3

भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

929

भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम

*

भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ

*

भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट

*

भाग II—खण्ड-3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)

*

भाग II—खण्ड-3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए

सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं *

भाग II—खण्ड-3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)

भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश

भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

2397

भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस

455

भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

*

भाग III—खण्ड-4—विधिक अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं

9813

भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस

471

भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक

*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

Page No.	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	617
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	551
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	3
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	929
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Sub-Section (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 5—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	2397
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	455
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the Authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	9813
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	471
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

इस्पात मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 2007

संकल्प

विषय : “इस्पात उपभोक्ता परिषद” के गठन के बारे में।

सं. 5(3)/2004-डी-I (.)—इस्पात मंत्रालय ने अपने दिनांक 20 नवम्बर, 2006 के संकल्प सं. 5(3)/2004-डी-I के माध्यम से दिनांक 24 मार्च, 2006 के समसंख्यक संकल्प के अनुसार पुनर्गठित इस्पात उपभोक्ता परिषद के कार्यकाल को बढ़ा दिया है। इस्पात मंत्रालय के दिनांक 24 मार्च, 2006 के संकल्प के पैरा संख्या 7 के तहत “इस्पात उपभोक्ता परिषद” में संघ शासित प्रदेश अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के निम्नलिखित प्रतिनिधियों को एतद्वारा नामित किया जाता है :—

क्र. सं.	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	नामित सदस्य (सदस्यों) का नाम एवं पता
1.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	1. डा. शनमुगम, देलीनेपुर, पी/13, अंडमान 2. श्री अब्रीबाकर, जंगलीघाट, पी/13, अंडमान

2. इस्पात मंत्रालय के दिनांक 6 अक्टूबर, 2006 के संकल्प के क्रम सं.-1 (4) पर श्री हल्खोपाओ माते, एफ-4/ए-131, शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-II, साहिबाबाद, गाजियाबाद-201005 (उ.प्र.) को उत्तर प्रदेश के स्थान पर मणिपुर का प्रतिनिधि पढ़ा जाए।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि उपर्युक्त संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों, केन्द्र शासित राज्यों, प्रधान मंत्री कार्यालय सहित भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसद सचिवालय, योजना आयोग और भारत के नियंत्रक एवं महालोखा परीक्षक तथा “इस्पात उपभोक्ता परिषद” के सभी सदस्यों को भेज दी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इसे भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि इसे भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

कुमार अर्विद सिंह देव
 संयुक्त सचिव

खान मंत्रालय
(खान विभाग)
नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 2007

नियमावली

सं. 4/2/2007 एम. II (एस.एम.)--निम्नलिखित रिक्त पदों को भरने के लिए 2007 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता, परीक्षा की नियमावली सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है:—

वर्ग--1 (भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण खान मंत्रालय के पद)

(1) कनिष्ठ भू-विज्ञानी, ग्रुप 'क'

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ी श्रेणियों तथा शारीरिक रूप से अक्षम श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों के आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जायेंगे। उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां शुरू में अस्थाई रूप में की जाएंगी।

3. आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट--1 में निर्धारित रीति से आयोजित की जाएगी।

परीक्षा कब और कहां होगी यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

4. कोई उम्मीदवार या तो:—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थाई निवास के इंद्रादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या
- (ड) भारत में स्थाई निवास के इंद्रादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलायी, जैर, इथियोपिया या वियतनाम से प्रवेजन कर आया हुआ भूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ड) से सम्बद्ध उम्मीदवारों को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु पहली जनवरी, 2007 को 21 वर्ष हो चुकी हो, किन्तु 32 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उनका जन्म 2 जनवरी, 1975 से पहले और पहली जनवरी 1986 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम 1 में उल्लिखित किसी विभाग में नियोजित हैं और यदि वे कालम-2 में उल्लिखित समरूपो पद (पदों) हेतु आवेदन करते हैं उनके मामले में ऊपरी आयु सीमा में अधिकतम 7 वर्ष की छूट दी जाएगी:—

कालम	कालम
1	2
भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण	विज्ञानी (कनिष्ठ), ग्रुप 'क'

(ग) निम्नलिखित विभागों में ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी:—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;
- (2) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उन उम्मीदवारों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो ग्रुप उम्मीदवारों के लिए लागू आरक्षण को पाने के पात्र हों;
- (3) ऐसे उम्मीदवार के मामले में, जिन्हें 01 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतया जम्मू और कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 5 वर्ष तक।
- (4) शत्रु देश के साथ स्वार्थ में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकल्प या हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्यक्रम के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;
- (5) जिन भूतपूर्व उनकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कर्माशन प्राप्त अधिकारियों अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित), ने पहली जनवरी, 2007 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुए शारीरिक अपरंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्ति पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 2007 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;
- (6) आपातकालीन कर्माशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष जिन्हें सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पहली जनवरी, 2007 तक पूरी कर ली है, और जिनकी नियुक्ति 5 वर्ष से अधिक बढ़ाई गई हो तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण पत्र जारी करना होता है। इस विलीन रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने राज्यविभाग का प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नार्यम पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(7) दृष्टिहीन, मूक-बधिर एवं शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए अधिकतम 10 वर्षों तक।

टिप्पणी I :— अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित वे उम्मीदवार, जो उपर्युक्त नियम 5 (ग) के किन्हीं अन्य खंडों अर्थात्, जो भूतपूर्व सैनिकों, जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास करने वाले शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की श्रेणी के अंतर्गत आते हैं, दोनों श्रेणियों के अंतर्गत दी जाने वाली संचयी आयु सीमा-छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे।

टिप्पणी II : भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथासंशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और पद में पुनः रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया जाता है।

टिप्पणी III : आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा के कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित वे भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन अधिकारी, जो स्वयं के अनुरोध पर सेवामुक्त हुए हैं, उन्हें उपर्युक्त नियम 5 (ग) (5) तथा (6) के अधीन आयु सीमा में छूट नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी IV : उपर्युक्त नियम 5 (ग) (7) के अन्तर्गत आयु में छूट के उपबन्धों के बावजूद, शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार की नियुक्ति हेतु पात्रता पर तभी विचार किया जा सकता है जब वह (सरकार या नियोक्ता प्राधिकारी, जैसा भी मामला हो, द्वारा निर्धारित शारीरिक परीक्षण के बाद) सरकार द्वारा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार को आवंटित संबंधित सेवाओं/पदों के लिए निर्धारित शरीरिक एवं चिकित्सा मानकों की अपेक्षाओं को पूरा करता हो।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र में किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाणपत्र किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेयों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ पत्र, नगर निगम तथा सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा अन्य ऐसे प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए “मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र” वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

टिप्पणी 1 :— उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर परीक्षा प्रमाण-पत्र में या समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न ही विचार किया जाएगा और न ही उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2 :— उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी बाद की परीक्षा में किसी भी कारण से परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

विशेष ध्यान :—

- (1) जिस उम्मीदवार को नियम 5 (ख) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो, उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्याग पत्र दे देता है या विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवायें समाप्त कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छठनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।
- (2) जो उम्मीदवार अपने विभाग को अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस पद (पदों) हेतु विभागीय आयु संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता बशर्ते कि उसका आवेदन पत्र विधिवत अनुशंसा सहित उसके मूल विभाग द्वारा अन्वेषित कर दिया गया हो।

उम्मीदवार के पास :—

- (क) भारत के केन्द्र या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित किसी अन्य शिक्षा संस्थान से भू-विज्ञान या अनुप्रयुक्त भू-विज्ञान या समुद्र भू-विज्ञान में “मास्टर” डिग्री या
- (ख) भारतीय खान विद्यालय, धनबाद से अनुप्रयुक्त भू-विज्ञान में एसोसियेटीशिप का डिप्लोमा या
- (ग) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से खनिज अन्वेषण में मास्टर डिग्री

टिप्पणी 1 :— यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता है वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पात्र होंगे तो परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी।

और अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में उनका प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा। उक्त प्रमाण विस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, साथ प्रस्तुत करना होगा।

टिप्पणी 2 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी शैक्षिक दृष्टि से योग्य मान सकता है जिसके पास इस नियम में विहित अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बल्कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश उचित ठहर सके।

टिप्पणी 3 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी छिन्नी है, जो सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त नहीं है तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थाई हैसियत से या कार्य प्रभावित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या जो सार्वजनिक उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह वचन (अण्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने के संबंध में अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन अस्वीकृत किया जा सकता है/उनकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार के आवेदन प्रपत्र को स्वीकार करने तथा उनकी पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

परीक्षा में आवेदन करने वाले उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पात्रता की सभी शर्तें पूरी करते हैं। परीक्षा के उन सभी स्तरों, जिनके लिए आयोग में उन्हें प्रवेश दिया है, अर्थात् लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण में उनका प्रवेश पूर्णतः अनन्तिम होगा तथा उनके निर्धारित पात्रता की शर्तों को पूरा करने पर आधारित होगा। यदि लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण के पहले या बाद में सत्यापन करने पर यह पता चलता है कि वे पात्रता की किन्हीं शर्तों को पूरा नहीं करते हैं तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने :—

- (1) किसी भी इकाई ने अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य अवक्ता से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया है, अथवा
- (5) गलत या छोटे त्रुट्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में उम्मीदवार के संबंध में किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उत्तरों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधन का प्रयोग किया हो, अथवा
- (8) उत्तर पूर्णकालीनों पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अधर वाश्य की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भाग में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा
- (10) परीक्षा चलने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को प्रशंशन किया हो, अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (11) परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन/पेजर या किसी अन्य प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण या यंत्र अथवा संचार यंत्र के रूप में प्रयोग किए जा सकने वाला कोई अन्य उपकरण प्रयोग करते हुए या अपने पास रखे पाया गया हो; या
- (12) उम्मीदवारों द्वारा परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र का साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (13) पूर्वोक्त खंड में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो उन पर आर्थिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसेक्यूशन) चलाया जा सकता है और इसके साथ ही उसे :—

- (क) अयोग द्वारा ऐसे परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है तथा/अथवा
- (ख) उसे स्थायी स्वयं से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :—

- (1) आवाग्य द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से,
- (2) केन्टींग सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वार्गिन किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह एकलाइ के अन्तर्गत पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार इस सम्बन्ध में जो लिखित अभ्यावेदन देना चाहे उसे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में यदि कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया हो तो उस पर विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विवक्षा पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के भरने के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अन्तिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है।

(2) आयोग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अ. पि. श्रेणियों के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, स्तर में छूट देकर सिफारिश की जा सकेगी किन्तु शर्त यह है कि ये उम्मीदवार सेवा पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के जिन उम्मीदवारों की अनुशंसा आयोग द्वारा परीक्षा के किसी भी चरण में अर्हता या चयन माप दंडों में रियायत/छूट दिए बिना की जाती है, उनका समायोजन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

14. शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों हेतु आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए उन्हें परीक्षा के सभी स्तरों पर आयोग के विवेकानुसार निर्धारित अर्हता स्तर में छूट दी जाएगी। तथापि यदि शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार का आयोग द्वारा सामान्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों हेतु निर्धारित अर्हता स्तर पर अपेक्षित संख्या में अपनी योग्यता पर चयन होता है तो आयोग द्वारा रियायती स्तर पर अतिरिक्त शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों अर्थात् उनके लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या से अधिक की अनुशंसा नहीं की जाएगी।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता है इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करे इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा जैसा भी मामला हो, निर्धारित चिकित्सा परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाता है कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। इस परीक्षा के आधार पर अंतिम रूप से सफल घोषित किए गए उम्मीदवारों को इस पद के लिए अथवा अन्यथा उनके शारीरिक अरोग्यता का पता लगाने के लिए चिकित्सा परीक्षण करवाना अपेक्षित होगा। चिकित्सा परीक्षा का विवरण इस नियमावली के परिशिष्ट-II में दिए गए हैं। चिकित्सा परीक्षा के समय उम्मीदवार को संबंधित चिकित्सा बोर्ड को 16.00 रुपये (केवल सौलह रुपये) का भुगतान करना होगा।

नोट :—निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरी जांच करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षाओं से गुजरना होगा इनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट-2 में दिए गए हैं। विकलांग हुए भूतपूर्व सैनिकों को पद विशेष की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में छूट दी जाएगी।

18. शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों पर विचार किए जाने के लिए उनकी अक्षमता चालीस प्रतिशत (40%) या उससे अधिक होनी चाहिए। तथापि ऐसे उम्मीदवारों से निम्नलिखित शारीरिक अपेक्षाओं/क्षमताओं में से एक या अधिक जो संबंधित सेवाओं/पदों में कार्य निष्पादन हेतु आवश्यक हो, पूरी करने की अपेक्षा की जाएगी :—

कोड	शारीरिक अपेक्षाएं
एफ (F)	1. हस्तकौशल (अंगुलियों से) द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्य।
पी पी (PP)	2. खोंच कर तथा धक्के द्वारा किए जाने वाले कार्य।
एल (L)	3. उठाकर किए जाने वाले कार्य।
के सी (KC)	4. घुटने के बल बैठकर तथा क्राउंचिंग द्वारा किए जाने वाले कार्य।
बी (B)	5. झुककर किए जाने वाले कार्य।
एस (S)	6. बैठकर (बैंच या कुर्सी पर) किए जाने वाले कार्य।
एस टी (ST)	7. खड़े होकर किए जाने वाले कार्य।
डब्ल्यू (W)	8. चलते हुए किए जाने वाले कार्य।
एस ई (SE)	9. देखकर किए जाने वाले कार्य।
एच (H)	10. सुनकर/बोलकर किए जाने वाले कार्य।
आर डब्ल्यू (RW)	11. पढ़कर तथा लिखकर किए जाने वाले कार्य।

संबंधित सेवाओं/पदों की अपेक्षाओं के अनुरूप उनके मामलों में कार्यात्मक वर्गीकरण निम्नलिखित में से एक या अधिक होगा:—

कार्यात्मक वर्गीकरण

कोड	कार्य
बी एल (BL)	1. दोनों पैर खराब लेकिन भुजाएं नहीं।
बी ए (BA)	2. दोनों भुजाएं खराब-क. दुर्बल पहुंच, ख. पकड़ की दुर्बलता
बी एल ए (BLA)	3. दोनों पैर तथा दोनों भुजाएं खराब।
ओ एल (OL)	4. एक पैर खराब (दाया या बाया)-क. दुर्बल पहुंच, ख. पकड़ की दुर्बलता, ग. ऐटीक्सक
ओ ए (OA)	5. एक भुजा खराब (दाईं या बाईं) -बही-
बी एच (BH)	6. सख्त पीठ तथा कूलहे (वैठ या झुक नहीं सकते)।
एम डब्ल्यू (MW)	7. मांसपेशीय दुर्बलता तथा सीमित शारीरिक सहनशक्ति।
बी (B)	8. नेत्रहीन।
पी बी (PB)	9. आंशिक नेत्रहीन।
डी (D)	10. बधिर।
पी डी (PD)	11. आंशिक बधिर।

19. जिस व्यक्ति ने:—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के लिए अन्य कारण भी हैं तो किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दी जा सकती है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन पदों के संबंध में भर्ती को जा रही हैं उसका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

जी. श्रीनिवास
निदेशक

परिशिष्ट-1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी:—
भाग-1—नीचे पैरा 2 में दिए गए नियमों में लिखित परीक्षा।
भाग-2—आयोग द्वारा साक्षात्कार हेतु बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. लिखित परीक्षा २ ज्येष्ठ विषयों में ली जाएगी:—

विषय	समय	पूर्णांक
(1) सामान्य अंग्रेजी	2 घंटे	100
(2) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र I	3 घंटे	200
(3) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र II	3 घंटे	200
(4) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र III	3 घंटे	200

3. सभी विषयों के परीक्षा पूर्णतः परम्परागत निबंधात्मक प्रकार की होगी।

4. सभी प्रश्न-पत्रों का उत्तर अंग्रेजी में देना होगा। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में होंगे।

5. परीक्षा का स्तर १^{वां} पाठ्यचर्या संलग्न अनुसूची के अनुसार होगे।

6. उम्मीदवार का इस अपने ही हाथ से लिखने चाहिए। उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. आयोग परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के लिए अहक अंक निश्चित कर सकता है।

8. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होती तो उसे अन्यथा मिलने वाले अंकों में से कुछ अंक काट लिए जाएंगे।

9. अनावश्यक जारी के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

10. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का श्रेय दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में, क्रमबद्ध प्रभावपूर्ण ढंग की और सही हो।

11. प्रश्न-पत्र में विवरणक होने पर केवल प्रश्न तोल और माप की मात्रिक प्रणाली से संबंधित ही पूछे जाएंगे।

12. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अन्तर्गतीय रूप (अंकों 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

13. उम्मीदवारों को इस परीक्षा में अपने साथ बैटरी चालित पॉकेट केलकुलेटर लाने तथा प्रयोग करने की छूट है। परीक्षा हाल में केलकुलेटर उधर लाने अधिवा बदन्त की अनुमति नहीं है।

14. व्यक्तित्व पांडित इत्यु साक्षात्कार

उम्मीदवार का साक्षात्कार सक्षम तथा निष्पक्ष प्रेक्षकों के एक बोर्ड द्वारा होगा जिसके समक्ष उम्मीदवार के परिचयवृत्त का पूर्व अभिलेख होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य उम्मीदवार जिस पद के लिए वह प्रतियोगी है उसके लिए उसकी उपयुक्तता वाली अंकना है। व्यक्तित्व परीक्षण में उम्मीदवार के नेतृत्व, पहलशक्ति वाली व्योद्धिक जिज्ञासा, व्यवहार कौशल और अन्य सामाजिक गुणों, मानविकी और शास्त्रीय शक्ति, व्यवहारिक अनुप्रयोग की क्षमताओं, चारिंग्रामिक व्यवहार और स्वयं को कार्य क्षेत्र के अनुकूल बनाने के प्रति अभिहक्षित वाली अंकना के मूल्यांकन की ओर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अनुसूची

स्तर और पाठ्यचर्या

अंग्रेजी के प्रश्न-पत्र का स्तर ऐसा होगा जिसकी अपेक्षा विज्ञान के स्नातक से की जाती है। भू-वैज्ञानिक विषय भारतीय विश्वविद्यालय की एम.एस.सी. डिग्री स्तर के होंगे और सामान्यतः प्रत्येक विषय में ऐसे प्रश्न रखे जाएंगे जिनमें उम्मीदवारों को विषय की समझ का पता लग सके।

किसी भी विषय की प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

(1) सामान्य अंग्रेजी

उम्मीदवारों को अंग्रेजी में एक लघु निबंध लिखना होगा। अन्य प्रश्नों का उद्देश्य उनकी अंग्रेजी समझने की क्षमता तथा शब्दों के सुनिपुणता की परीक्षा करना होगा।

(2) भू-विज्ञान

प्रश्न-पत्र-I

खंड क: भू-आकृति विज्ञान तथा सुदूर संवेदन

भूल सिद्धांत। अपक्षण तथा मृदा बहुत क्षति। प्रक्रियाओं पर जलवायु का प्रभाव। अपरदन चक्र की अवधारणा। नदीय भू-भाग, शुष्क क्षेत्रों, तटीय क्षेत्रों 'कार्स्ट' भूदृश्य तथा हिमानी शृंखलाओं का भू-आकृति विज्ञान, भू-आकृति मानचित्रण, ढाल विश्लेषण तथा अप्रवाह दोणी विश्लेषण। खनिज पूर्वेक्षण, सिविल इंजीनियरी, जल विज्ञान तथा पर्यावरणीय अध्ययनों में, भू-आकृति विज्ञान का अनुप्रयोग। स्थलाकृति मानचित्र। भारत का भू-आकृति विज्ञान। वायवीय फोटोग्राफी तथा फोटोग्राममीति की अवधारणा तथा नियम। उपग्रह सुदूर संवेदन-आंकड़ा उत्पाद तथा उनकी व्याख्या की परिकल्पना तथा सिद्धांत। प्रतिबिम्ब संसाधन। स्थलरूप में सुदूर संवेशन तथा भू उपयोग मानचित्रण संरचना मानचित्रण—जल भूविज्ञानीय अध्ययन तथा खनिज अन्वेषण। विश्वव्यापी तथा भारतीय अंतरिक्ष मिशन। भौगोलिक सूचना तंत्र (GIS)—सिद्धांत तथा अनुप्रयोग।

खंड ख: संरचना भू-विज्ञान

भू-वैज्ञानिक मानचित्रण तथा मानचित्र अंकन, प्रक्षेप आरेख के सिद्धांत। इलास्टिक, प्लास्टिक तथा लसीला के (विस्कोसा) सामग्री का बल-दबाव संबंध, विकृत शैलों के दबाव का मापन विरूपण परिस्थितियों में खनिजों तथा शैलों का व्यवहार। बलन, भेदन/दरार रेखन, संधियों तथा ध्रंशों का संरचनात्मक विश्लेषण, अध्यारोपित विरूपण। कलनन तथा भ्रांशन की क्रियाविधि। क्रिस्टलन और विरूपण के बीच समय संबद्धता विषम विन्यास तथा आधार-उपस्थिति संबंध। आग्नेय शैलों, अंतर्वेधी तथा लवण गुम्बदों का संरचनात्मक व्यवहार। शैल सर्विन्यासी परिचय।

खंड ग: भू-विवर्तनिक

पृथ्वी तथा सौर पद्धति, उल्कापिन्ड तथा अन्य अति पार्थिव पदार्थ, पृथ्वी का ग्रहीय विकास तथा इसकी आंतरिक संरचना। पृथ्वी की भू-पटल की विषमता। महाद्वीपीय भू-पटल की प्रमुख विवर्तनिक विशेषताएं। महाद्वीपीय विस्थापन—भूवैज्ञानिक तथा भू-भौतिकीय प्रमाण, यांत्रिकी आपत्तियां, वर्तमान स्थिति। मध्यसागरीय कटक, गमीरसागर खाईयां, स्थर भू-खंड क्षेत्रों तथा पर्वतीय शृंखलाओं पर गुरुत्व एवं चुम्बकीय असंगति। पराचुम्बकत्व। समुद्रतल विस्तारण तथा प्लेट विवर्तनिकी। द्वीप चाप,

महासागरीय द्वीप तथा ज्वालामुखी चाप। समस्थिति, पर्वतन तथा महादेशरचना। पृथ्वी की भूकंपीय पटियां। भूकंपीयता तथा प्लेट संचलन। भारतीय पटियां की भू-गतिकी।

खंड घ : स्तरिकी

नाम पद्धति तथा आधुनिक स्तरिकी नियमावली। विकिरण—समस्थानी तथा भूवैज्ञानिक काल मापन। भूवैज्ञानिक काल—स्केल। अजीवाश्मी गैर जीवाश्मय शैली के सहसंबंध की स्तरिकी प्रक्रियाएं। भारत की कैम्बरियन पूर्व स्तरिकी। भारत की पुराजीवी मध्यजीवी तथा नूतनजीवी शैल समूह की स्तरिकी। गोडवाना शैल समूह तथा गोडवाना भूमि। हिमालय का उत्थान तथा शिवालिक द्वोणी का विकास। दक्खिनी ज्वालामुखी। चतुर्थ महाकल्प स्तरिकी। शैल अभिलेख, पुराजलवायु तथा पुरा भूगोल।

खंड छ : जीवाश्म विज्ञान

जीवाश्म अभिलेख तथा भूवैज्ञानिक काल स्केल। आकृति विज्ञान तथा जीवाश्म समूहों के काल परिसर। भूवैज्ञानिक काल में मोलस्को तथा स्तनपायियों में विकासीय परिवर्तन। विकास के सिद्धान्त। जैव स्तरिकी सह-संबंध में फोरामिनीफेरा तथा एकिनोडमांट की जातियों तथा सवंशों का प्रयोग। शिवालि कक्षेरुकी प्राणिजात तथा गोडवाना वनस्पति, कैम्बरियन पूर्व काल में जीवन का प्रमाण। विभिन्न सूक्ष्म जीवाश्म समूह तथा उनका भारत में वितरण।

(3) भू-विज्ञान

प्रश्न पत्र-II

भाग क : खनिजिकी

आम शैल निर्मित करने वाले सिलीकेट खनिज समूहों के भौतिकीय, रसायनिक तथा क्रिस्टल संरचनात्मक अभिलक्षण। आग्नेय तथा कायांतरी शैलों के आम खनिज। कार्बोनेट, फास्फेट, सल्फाइड तथा हैलाइड समूहों के खनिज।

आम शैल निर्मित करने वाले सिलीकेट खनिजों के प्रकाशीय गुण, एक अक्षीय तथा द्विअक्षीय खनिज। खनिजों के विलोम कोण, बहु-वर्णता, द्विअवर्तन तथा उनके खनिज संघटन से संबंध। यमलित क्रिस्टल/प्रकीणेन। U-स्टेज।

भाग ख : आग्नेय तथा कायांतरी शैलिकी

आग्नेय शैलों के रूप, गठन तथा संरचना। सिलीकेट गलित संतुलन, द्विअंगी तथा त्रिअंगी अवस्था आरेख। ग्रेनाइट, बेसाल्ट, एन्डेजाइट तथा क्षारीय शैलों की शैलिकी तथा भूविवर्तनिक विकास। ग्रैवो, किम्बस्सलाइट एनार्थसाइट तथा कार्बोनेटाइट की शैलिकी/प्राथमिक अल्पसिलिक मैग्माकी उत्पत्ति।

कायांतरी शैलों का गठन तथा संरचना। मृदास्पर्क तथा अशुद्ध कैल्सियमी शैलों का क्षेत्रीय तथा संस्पर्श कायांतरण। खनिज समुच्चय तथा P-T अवस्था। कायांतरित अभिक्रियों का प्रायोगिक तथा उष्मागतिक मूल्यांकन। कायांतरण के विभिन्न कोटि तथा संलक्षणी के अभिलक्षण। भैयसेमिट्ज्म तथा ग्रेनाइट भवन, मिग्मेट्याइट/प्लेटिवर्तनिकी तथा कायांतरण मंडल युग्मित कायांतरिक पट्टी।

भाग ग : अवसादी विज्ञान

अवसादी का जनक क्षेत्र तथा प्रसंघनन। अवसादी गठन। स्थलजात अवसादों का ढांचा मैट्रिक्स तथा सीमेंट। कण-साइज की परिभाषा, मापन तथा व्याख्या/हाइड्रोलिक्स के तत्व। प्राथमिक संरचना तथा पुराधारा विश्लेषण। जीव जनित तथा रासायनिक अवसादी संरचना। अवसादी पर्यावरण तथा संलक्षण। समुद्री, असमुद्री तथा मिश्रित अवसादों का संलक्षणी प्रतिरूपण। विवर्तनिक तथा अवसादन। अवसादी द्रोणियों का वर्गीकरण तथा परिभाषा। भारत के अवसादी द्रोणियां। चक्रीय अवसाद। भूकंपी तथा अनुक्रमी स्तरिकी/द्वाणी विश्लेषण का लक्ष्य तथा क्षेत्र। संरचना परिख्या तथा समस्थूलता मैप।

भाग घ : भू-रसायन

पृथ्वी, सौर परिवार तथा सनिष्टि के संबंध में, तत्वों का अंतरिक्षी बहुल। ग्रहों तथा उल्कापिंडों का संघटन। पृथ्वी की संरचना तथा संघटन और तत्वों का वितरण। सूक्ष्म मांत्रिक तत्व। मूल (प्रारंभिक) क्रिस्टल रसायन तथा उष्मागतिकी। समस्थानिक रसायन का परिचय। जलमंडल, जीवमंडल तथा वायुमंडल का भू-रसायन/भूरसायनिक चक्र तथा भूरसायनिक पूर्वेक्षण के सिद्धान्त।

भाग ङ : पर्यावरणीय भूविज्ञान

संकल्पना तथा सिद्धान्त। प्राकृतिक आपदा-निरोधक/पूर्वोपाय विधियां-बाढ़, भूस्खलन, भूकंप, नदी तथा ताटीय अपरदन। मानवोदभवी सक्रियता जैसे नगरीकरण, विवृत खनन तथा अखनन, नदी-घाटी परियोजना, औद्योगिक तथा रेडियोधर्मी अवशिष्ट का निपटन, भौमजल का अति अधिक निकासी, उर्वरक का उपयोग, अयस्कों, खनन अवशिष्टों तथा फ्लाइ ऐश का क्षेपण का प्रतिशाट निर्धारण/भौमजल का कार्बनिक तथा अकार्बनिक दूषण तथा उनके उपचार की विधियां। मृदा निमीकृत तथा उपचार की विधियां। पर्यावरण संरक्षा-भारत में वैधानिक विधियां।

(4) भूविज्ञान

प्रश्न पत्र-III

खंड क : भारतीय खनिज निषेप तथा खनिज अर्थशास्त्र

धात्विक निषेपों की भारत में प्राप्ति तथा वितरण—क्षारक धातु, लोहा, मैग्नीज, एलुमिनियम, क्रोमियम, निकल, सोना, चांदी मालिब्डेनम। भारतीय अधात्विक निषेप-अध्रक, एसबेस्टस, बेराईटीज, जिस्प्स, ग्रैफाइट, ऐपायाइट तथा बेरिल। रत्नपाषाण, दुर्गलनीय खनिज, अपघर्षक तथा कांच उर्वरक, प्रलेप, सिरेमिक तथा सीमेंट उद्योग के उपयोग में आने वाले खनिज। इमारती पत्थर। फासफोराइट निषेप। लेसर निषेप। दुर्लभ मृदा खनिज।

युक्तीय, क्रांतिक तथा अनिवार्य खनिज। खनिज उत्पादन में भारत की स्थिति। खनिज खपत का बदलता पैटर्न। राष्ट्रीय खनिज नीति। खनिज अनुदान नियम। समुद्री खनिज सम्पत्ति तथा समुद्र के नियम।

खंड ख : अयस्क उत्पत्ति

अयस्क निषेप तथा अयस्क खनिज। खनिजन के मैग्मीय प्रक्रम। पार्थिरी, स्कार्न तथा उष्णजलीय खनिजन। तरल अंतर्वेश अध्यमन। (I) अतिमैफिक, मैफिक तथा अधिसिलिक शैलों, (II) हरितास्म पट्टी, (III) कोमाटाइट, एनार्थोसाइट तथा किम्बरलाइट एवं अंतः सागारीय ज्वालामुखन से संबंधित खनिजन। भू-वैज्ञानिक समय आद्योपात्त में मैग्ना-संबंधी खनिजन। स्तररूप तथा स्तरपरिमा अयस्क। अयस्क तथा कायांतरण—कारण और परिणाम संबंध।

खंड ग : खनिज विवरण

पूर्वेक्षण—प्रवेधन, प्रवेत्तन, आमापन। भूभौतिकीय प्रविधि-गुरुत्व, वैद्युत, चुम्पकीय, वायुव्याहित तथा भूकंपी। भूआकृतिक तथा सुदूर संवेदन प्रविधि। भूवानस्पतिक तथा भूरसायनिक विधियां। वेधन, संलेखन तथा विचलन के लिए सर्वेक्षण।

खंड घ : ईंधन का भूविज्ञान

कोयला की पारंपरागत तथा उत्पत्ति। कोयला युक्त संस्तरकी स्तरिकी। कोयला शैल विज्ञान के मूलभूत, पीट, लिम्नाइट, बिटुमेनी तथा ऐन्थ्रासाइट कोयला। कोयला के रासायनिक संघटक। कोयला-शैल विज्ञान का औद्योगिक अनुप्रयोग। भारतीय कोयला निषेप। कार्बनी पदार्थों का प्रसंघनन।

प्राकृतिक हाइड्रोजन बंदों की उत्पत्ति, अभिगमन तथा फंसना। स्रोत तथा तैलाशम शैलों के अभिलक्षण। संरचनात्मक, स्तरिक तथा मिश्रित ट्रैप। अन्वेषण की प्रविधियां। भारत के अभितट तथा अपतट पेट्रोलियम द्रोणियों का भौगोलिक तथा भूविज्ञानिक वितरण।

रेडियोसक्रिय लुर्निजों की खनिजिकी तथा भूरसायन। रेडियोसक्रियता पहचानने की यंत्रीय प्राचीनियां। खनिजों के निषेपों के पूर्वेक्षण तथा आमापन के लिए रेडियोसक्रिय विधियां। भारत में रेडियो सक्रिय खनिजों का वितरण, पेट्रोलियम की खोज में रेडियोसक्रिय विधियां-कूप संलेखन प्रविधि। नाभिकीय अपरद निषटन—भूवेदन निकल बाधाएं।

खंड ङ : इंजीनियरी भूविज्ञान

शैलों तथा मृदाओं के बलकृत गुणधर्म। नदी घाटी परियोजनाओं में भूविज्ञानिक अन्वेषण। चांथ तथा जलाशय, सुरंग—प्रकार, विधियां तथा समस्याएं। सेतु—प्रकार तथा आधारी समस्याएं। तटरेखा इंजीनियरी। भूस्खलन—वर्गकरण। कारण निवारण तथा पुनर्वास। कंक्रीट पुंज—स्रोत, क्षार—पुंज प्रतिक्रिया। अभूकंपी, योजना—भारत में भूकंपनीयता तथा भूकंप प्रतिरोध संरचनाएं, इंजीनियरी परियोजनाओं में भौमजल की समस्याएं। भारत के मुख्य पर्यायोजनाओं के भू-तकनीकी केस अध्ययन।

परिषिष्ट-2

उम्मीदवारों की शासीक परीक्षा के बारे में विनियम

1. ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुभाव भग्ना सकें कि अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य पर्यायकों (मेडिकल ऐजामिनस) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों की निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षक द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारण मानक के अनुसार स्वास्थ न मानता हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को बोई हानि नहीं होगी।

2(क). तथापि यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड का अपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का पूर्ण विवेकाधिकार होगा। शारीरिक विकलांगता की श्रेणी के अंतर्गत केवल अंतर्गत कारण से बहिर्भूत व्यक्तियों के मामले में पदों की अपेक्षाओं को देखते हुए कुछ हद तक छूट दी जाएगी।

(ख). चिकित्सा बोर्ड द्वारा उम्मीदवार के लिए आयोजित की जाने वाली चिकित्सा परीक्षा में निर्धारित संपूर्ण चिकित्सा परीक्षण शामिल होंगे। चिकित्सा परीक्षा का आयोजन केवल उहीं उम्मीदवारों के लिए किया जाएगा जो परीक्षा के आधार पर अंतिम रूप से सफल घोषित किए जाएंगे।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लोइण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के धेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के धेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवारों को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और मापदण्ड (स्टैण्डर्ड) से इस प्रकार साथ कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाए एड़ियों के, पांवों के अंगूठे या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेक्स आफ हैण्ड लेवल) हारिंजेटल बार (आड़ी छड़ि) के नीचे जाए। कद सेंटीमीटर और आधे सेंटीमीटरों के भागों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर के ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि इसका ऊपरी किनारा असफल का (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोण (इन्फरियर एंगिलस) के पीछे लगा रहे और वह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े/समतल (हारिंजेटल/प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं, फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा। और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि। माप रिकार्ड करते समय आधी सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान दें :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा। आधी किलोग्राम का उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(1) सामान्य (जनरल) : किसी रोग या असामान्यतः (एबनार्मेलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों में भैंगापन या विकृति अथवा कन्टिगुअस स्ट्रक्चर का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता है तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी) : दृष्टि तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जाएगी एक दूर की नज़र के लिए और दूसरी नज़दीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा ली जाएगी।

चश्मे के बिना आंख की नज़र (नेकड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आंखों की हालत के बारे में मूल-सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ चश्मे के बिना दृष्टि तीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि		
अच्छी	खराब	अच्छी	खराब
आंख	आंख	आंख	आंख
6/9	6/9	0.6	0.8
अथवा	अथवा		
6/6	6/12		

टिप्पणी : (1) मायोपिया का कुल परिणाम (सिलेण्डर सहित) — 4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए। हाइपर मेट्रोपिया का कुल परिणाम (सिलेण्डर सहित) +4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

टिप्पणी : (2) फण्डस परीक्षा जहां तक संभव होगा चिकित्सा बोर्ड की विविक्षा पर फण्डस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

टिप्पणी : (3) कलर विजन—(1) कलर विजन की जांच जरूरी होगी।

(2) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए। लालेटर्न एपचर के आकार पर निर्भर होगा :—

ग्रेड	रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान	रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान
	का उच्चतर ग्रेड	का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4.9 मीटर	4.9 मीटर
2. द्वारक (एपचर) का आकार	1.3 मि. मी.	1.3 मि. मी.
3. उद्भाषण काल	5 सेकण्ड	5 सेकण्ड

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण से संबंधित भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) के पदों के लिए रंगों का प्रत्यक्ष ज्ञान तथा आंखों से संबंधित सभी चिकित्सा मानकों का स्तर ऊंचा होगा।

(3) लाल संकेत, हरे संकेत और रंग को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। शिहारा के प्लेटें के इस्तेमाल को जिन्हें एंडिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपयुक्त लैटर्न और उसकी रोशनी में दिखाया जाता है। कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वसनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों आंखों में से किसी भी एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिए लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामले में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

टिप्पणी : (4) दृष्टि क्षेत्र (फिल्ड आफ विजन) : सम्मुख विधि (कम्फँटेशन मेथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब क्षेत्र को परमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी : (5) रत्नौधी (नाइट ब्लाइण्डनेस) के बल विशेष मामलों को छोड़कर रत्नौधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रत्नौधी में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैण्डर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मैडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए। परन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी : (6) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दिशाएं (आकूलर कण्डीशन्स)।

- (क) आंख की अंग संबंधी बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन त्रुटि (रिएक्टिव एर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता से कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।
- (ख) रोहे (ट्रकोमा) रोहे जब तक भयानक न हों, साधारणतः अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।
- (ग) भेंगापन जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है भेंगापन अयोग्यता माना जाएगा, चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।
- (घ) एक आंख वाला व्यक्ति एक आंख वाले व्यक्ति को नियुक्ति हेतु अनुशंसा की जाएगी।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा।

नार्मल मैक्सीमम सिस्टालिक प्रेशर के आंकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है:—

(1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।

(2) 25 वर्ष के ऊपर के आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आंकलन में 110 + आधी आयु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान—सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. के ऊपर सिस्टालिक प्रेशर और 90 एम. एम. के ऊपर डायस्टालिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अनिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह भी पता लगना चाहिए कि घबराहट में (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण थोरेंट कार्यिक (आर्गेनिक) बीमारी है, ऐसे सभी मामलों में हृदय का एक्सप्रेस और इलैक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच रक्त यूरिया निकाय (क्लिरेंस) की जांच भी नैमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने का दावे के बारे में अन्तिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (ब्लड डायप) नियम का तरीका

नियमित पांग वाले उम्मीदवारी (मर्करी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के प्रदर्शन तक रक्त दायप नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बश्ते कि वह और विशेषकर इसी बांह शिथिल और आराम से हो। चाहे थोड़ी-बहुत होरीजेटल ग्रिफ़ोन में रोगी के पाश्वर पर हो तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देना चाहिए। 300 में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ की भुजाओं के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारों को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच उतार करके लगाने चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैला कर यह समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा पूलकर न हो न निकले।

कोहनी को भोड़कर यह उम्मीदवारी (ब्रिचिकल आर्टी) को दबा-दबा कर ढूँढ़ा जाता है और तब उम्मीदवार के ऊपर बीचों-बीच स्टैथोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो काफ़ न भाथ न लागे। कफ में लगभग 200 एम. एम. एच. जी. हवा भी जाती है भार उसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती हैं हल्की क्रामिक व्यायाम सुनाई देने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है। वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेगीं। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां इलकी दबी हुई सी लुप्त प्राय हो जाएं यह डायस्टालिक प्रेशर है। जैसे प्रेशर काफ़ी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए क्योंकि कफ के लंबे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। बाद दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में पूरी हवा निकाल कर कुछ बिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने के एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं दब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं इस “साइलेंट गैंग” में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपाय धैन में किए गए मूत्र की भी परीक्षा की जानी चाहिए, और परिणाम रिपोर्ट की जाना चाहिए जब मैडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रसायनिक जांच द्वारा शक्ति का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलूओं का परीक्षा करेगा और मधुमेय (डायबिटीज), के घातक चिन्ह और लक्षणों का भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड को उम्मीदवार का ग्लूकोज़ में ग्लाइकोसूरिया (सिवाय, अपेक्षित मैडिकल

फिटनेस के स्टेन्डर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है। इसका ग्लूको मेह (अमधुमही नान डायबिटिक) है और बोर्ड इस केस को मैडिसन के बिना ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा। जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हैं। मैडिकल विशेषज्ञ स्टेन्डर्ड ब्लड शुगर यालरेस टेस्ट समेत जो भी क्लीनिकल रिपोर्ट (लेबोरेटरी परीक्षण करेगा और अपनी रिपोर्ट मैडिकल बोर्ड को भेज देगा) जिस पर मैडिकल बोर्ड का "फिट" "अनफिट" की अंतरिम राय पर आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिनों तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हप्ते या इससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूति की तारीख से 6 हफ्तों के बाद आयोग प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वस्थता परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बर्ताव कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित जानकारी दी जाती है :

1	2	3
(1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा।	यदि फ्रिक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर तकनीकी काम के लिए योग्य।	
(2) दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष बोर्ड, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव है।	यदि 1000 से 4000 तक की 30 स्पीच फ्रिक्वेंसी में बहरापन डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।	
(3) सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिप्पनिक मैम्ब्रेन छिद्र	(1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान से टिप्पनिक मैम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थाई आधार पर अयोग्य कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(2) के अधीन विचार किया जा सकता है। (2) दोनों कानों में मार्जिनल या एट्रिक छिद्र होने पर अयोग्य। (3) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थाई रूप से अयोग्य।	

1	2	3
(4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टियड कैविटी से सबनार्मल श्रवण।	(1) किसी एक कान से सामान्य रूप में एक ओर से मस्टियड कैविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान से सब-नार्मल श्रवण वाले कान मस्टियड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य। (2) दोनों ओर से मस्टियड कैविटी तकनीकी काम के लिये अयोग्य यदि किसी भी कान की श्रवण यंत्र लगा कर अथवा बिना लगाये सुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर तकनीकी काम के लिये योग्य।	
(5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/ बिना आपरेशन वाला।	तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये अस्थाई रूप से अयोग्य।	
(6) नासापट की हड्डी संबंधी विषमताओं (बोनी डिफर्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक एलर्जिक दशा।	(1) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।	
(7) यांसिल और/अथवा स्वर यंत्र (लैन्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा।	(2) यदि लक्षणों सहित नास पट अपसरण विद्यमान होने पर अस्थाई रूप से अयोग्य।	
(8) कान, नाक और गले (ई.एन.टी.) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दुर्दभ द्यूमर	(1) यांसिल और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य। (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थाई रूप से अयोग्य।	
(9) आस्ट्रोकिरोसिस	(1) हल्का द्यूमर अस्थाई रूप से अयोग्य। (2) दुर्दभ द्यूमर अयोग्य।	
(10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष।	श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य।	
(11) नेजल पोली	(1) यदि कामकाज में बाधक न हो तो योग्य। (2) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।	

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जायेगा)।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रक्खर है या नहीं।

(छ) उसे हाईड्रोसिल बड़ी हुई बेरिकोसिल बेरिकाज शिरा (वेन) या बक्सासीर है या नहीं।

(ज) उनके अंगों, हाथ पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रन्थियां भली-भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई चिरस्थाई त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(ञ) कोई जन्मजात संरचना या दोष नहीं है।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमज़ोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्प्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. हृदय तथा फेफड़ों की किन्हीं ऐसी असमानताओं का पता लगाने, जिन्हें सामान्य शारीरिक परीक्षण के आधार पर नहीं देखा जा सकता है, के लिए छाती का रेडियोग्राफी परीक्षण केवल उन्हीं उम्मीदवारों का किया जाएगा जिन्हें संबंधित भू-विज्ञानी परीक्षा में अंतिम रूप से सफल घोषित किया जाता है।

उम्मीदवार की शारीरिक योग्यता के बारे में केन्द्रीय स्थायी चिकित्सा बोर्ड (संबंधित उम्मीदवार की चिकित्सा परीक्षा करने वाले) के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देना चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्वक इयूटी में बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी:-—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपयुक्त सेवाओं के लिए उसकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने का कोई हक नहीं है किन्तु यदि सरकार की प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के संबंध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख से एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड ने निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मांडकल प्रमाण-पत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि उसमें संबंधित मेडिकल प्रेक्षितान का इस अंग का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही हो दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा अंग योग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल बर्टनेस के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती हैः—

शारीरिक योग्यता (‘फटनैस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैन्डर्ड से संबंधित उम्मीदवारों में आयु और सेवाकाल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य समझा जाएगा, जिसके बारे में अधिकारी अधिकारी (अपाइंटिंग अथारिटी) को यह नियमली नहीं है कि उसे कोई ऐसी बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाड़िली इन्फर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लाना चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य में भी उतना सम्बद्ध है जितना वर्तनासे और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा देना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु लोगों पर समय पूर्व पेशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यह प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवारों को परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के स्तर में सहयोगित किया जाएगा।

जो उम्मीदवार भू-ठिजानी (कनिष्ठ) के पदों पर नियुक्त किए जाएंगे उन्हें भारत में या भारत बाहर क्षेत्रगत कार्य करना होगा। ऐसे उम्मीदवार के मामले में चिकित्सा बोर्ड को अपना मत स्पष्ट रूप से व्यक्त करना चाहिए कि वह क्षेत्रगत कार्य के लिए योग्य है या नहीं।

मेडिकल बोर्ड को रिपोर्ट गोपनीय रखनी चाहिए।

ऐसे मामले में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाना है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के कारण उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामले में जबकि मांडकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के अंग योग्य बनाए जाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या संजिक इन्फर्मिटी) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन गिरावंट किया जाना चाहिए।

नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है जब खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इन नियुक्तियों के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा:

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवारों को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उसके साथ लागी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर

हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में, उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना नाम पूरा लिखें।
2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं।
3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड जनजाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिनका औसत कद दूसरों से कम होता है। “हाँ” या “नहीं” में उत्तर दीजिए। यदि उत्तर “हाँ” में हो तो उस जाति का नाम बताएं।
- (ख) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला कोई दूसरा बुखार, ग्रथियां (ग्लैण्ड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक से खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरे, रुमटिज्म एंपेंडिसाइटिस हुआ है।
- (ग) क्या दूसरी ऐसी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शर्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?
4. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण किसी किसी की अधीरता (नर्वसनेस) हुई ?
5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरा दें :--

1	2	3	4	5	6	7	8
यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाइयों की हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु की अवस्था	यदि माता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु की अवस्था	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं और उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

6. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

7. यदि उपर का उत्तर हाँ में हो तो बताएं कि किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?

8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

9. कब और कहां मेडिकल बोर्ड हुआ ?

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।

11. उपर्युक्त सभी उत्तर मेरी सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार महीने हैं। तथा मैं अपने द्वारा दी गई किसी सूचना में की गई विकृति या किसी संगत जानकारी को छुपाने के लिए कानून के अन्तर्गत किसी भी कार्रवाई का

भागी हूंगा। इन्हीं सूचनाएं देना व किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाना अयोग्यता मानी जाएगी और मुझे सरकार के अन्तर्गत नियुक्ति के लिए अयोग्य माना जाएगा। मेरे सेवाकाल के दौरान किसी भी समय ऐसी कोई जानकारी मिलती है कि मैंने कोई गलत सूचना दी है या किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाया है तो मेरी सेवाएं रद्द कर दी जाएगी।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर
उपस्थिति में हस्ताक्षर
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

प्रपत्र--I

(ख) (उम्मीदवार का नाम)

की शारीरिक परीक्षा या मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास	सामान्य	खराब
पोषण	पतला	औसत
वजन	कद (जूते उतार कर)	मोटा
वजन	में हाल में हुआ कोई परिवर्तन	9. उदर (पेट) धंग वर्ष सहायता हर्निया

तापमान

छाती का धेर

1. पूरा सांस खींचने पर
- पूरा सांस छोड़ने पर

2. त्वचा :—कोई बाहरी बीमारी

3. नेत्र :—
 - (1) कोई बीमारी
 - (2) रत्नधी
 - (3) कलर विजन का दोष
 - (4) दृष्टि के क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)
 - (5) फंडस की जांच
 - (6) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी)
 - (7) त्रिविम संगलन की योग्यता

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना	चश्मे से	चश्मे को पावर
			गोल सिलएक्सम

दूर की नजर	दा. ने.
	बा. ने.
पास की नजर	दा. ने.
	बा. ने.
हाइपरमट्रोफिया	दा. ने.
(व्यक्त)	बा. ने.

4. कान निरीक्षण	सुनना
दायां कान	बायां कान
5. ग्रंथियां	थाईइड

6. दांतों की हालत

7. श्वसन तंत्र (रेसपीरेटर सिस्टम) — का शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों से किसी असमानता का पता लगा है। यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यौरा दें—

8. परिसंचरण तंत्र (सरक्यूलेटरी सिस्टम)

(क) हृदय और आंगिक गति (आर्गेनिक लीजर)

गति (रेट) :

खड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने के बाद

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद

(ख) ब्लड प्रेशर सिस्टिलिक डायस्टालिक

9. उदर (पेट) धंग वर्ष सहायता हर्निया
 - (क) दबाकर शा रूप पड़ना : जिगर, तिल्ली, गुर्दे, द्यूमर
 - (ख) रक्तांश शा रूप
10. तंत्रिका तंत्र (नेक्स एस्ट्रम) तंत्रिका या मानसिक अपसामान्यता का संकेत

11. चाल तंत्र (लोकोमोटिव सिस्टम)
 - कोई असमान्य

12. जग्नन मूत्र तंत्र (डेंक्यूयूरिनरी सिस्टम)
 - हाइड्रोसिल बोर्डिंग्स आदि का कोई संकेत :

- मूत्र परीक्षा :—
 - (क) कैसा तिक्काई पड़ता है

- (ख) रपेक्षित प्रैश्य (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

- (ग) एल्बुमन

- (घ) शक्का

- (ड) कास्ट्रम

- (च) कोर्शनकार्ड ब्ल्स)

13. क्या उम्मीदवार के अस्थाय में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा

- की दृष्टियों को दक्षयाप्तवंक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है :
नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अधिक समय की गर्भिणी है तो उसे अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित भेजा जाना चाहिए (देखें विनियम 9)।

14. (क) उम्मीदवार की निरीक्षा कर लिए जाने के किन सेवाओं में कार्य के दक्ष तथा भाग निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए यह अयोग्य पाया गया है।

- (ख) क्या उम्मीदवार क्षंत्रगत सेवा के लिए योग्य है।

- टिप्पणी 1 :—बोढ़ का अपने जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

- (i) अस्वस्थ
- (ii) ... के कारण अस्वस्थ
- (iii) ... के कारण अस्थायी रूप से अस्वस्थ

- टिप्पणी 2 :—उम्मीदवार की छाती का एक्सरे परीक्षण नहीं किया गया है, इस काले उपर्युक्त निष्कर्ष अन्तिम नहीं है और छाती के एक्सरे परीक्षण की रिपोर्ट के अध्यधीन है।

स्थान :	हस्ताक्षर	अध्यक्ष
		सदस्य
		सदस्य
दिनांक :		मेडिकल बोर्ड की मुहर

प्रपत्र--II

उम्मीदवार का कथन/घोषणा

1. अपना नाम लिखें :

(बड़े अक्षरों में)

2. रोल नम्बर :

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

मेडिकल बोर्ड द्वारा भरे जाने के लिए

टिप्पणी :—बोर्ड को उम्मीदवार की छाती के एक्सरे परीक्षण की जांच रिपोर्ट निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग के अन्तर्गत अपना निष्कर्ष रिकार्ड करना चाहिए।

उम्मीदवार का नाम.....

(i) स्वस्थ

(ii)के कारण अस्वस्थ

(iii)के कारण अस्थायी रूप से अस्वस्थ

स्थान : अध्यक्ष

हस्ताक्षर सदस्य

सदस्य

दिनांक : मेडिकल बोर्ड की मुहर

परिशिष्ट--3

इस परीक्षा के आधार पर जिन पर्दों के लिए भर्ती की जा रही है उनके संबंध में संक्षिप्त विवरण

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण

भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहना होगा। आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) परिवीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण और शिक्षण का ऐसा कोर्स पूरा करना होगा और ऐसी परीक्षा तथा 'परीक्षण' उत्तीर्ण करने होंगे जो सक्षम अधिकारी द्वारा विहित किए जाएं।

(ग) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में निर्धारित

वेतनमान :—

(1) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) (कनिष्ठ समय वेतनमान) रुपए 8,000-275-13,500।

(2) भू-विज्ञानी (वरिष्ठ) (वरिष्ठ समय वेतनमान) रुपए 10,000-325-15,200।

(3) निदेशक (भू-विज्ञानी) —रुपए 12,000-375-16,500।

(4) निदेशक (भू-विज्ञानी नान फंक्शनल) (चयन ग्रेड) —रुपए 14,300-400-18,300।

(5) उपमहानिदेशक/(भू-विज्ञानी) —रुपए 18,400-500-22,400।

(6) वरिष्ठ उपमहानिदेशक —रुपए 22,400-525-24,500।

(7) महानिदेशक —रुपए 26,000—(नियत)।

(8) सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित किए गए भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।

(9) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्त वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित है।

(10) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्त लागू होगी।

(11) भारतीय भू-विज्ञानी सर्वेक्षण के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

जी. श्रीनिवास

निदेशक

कृषि मंत्रालय

(पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 8 मई 2007

संकल्प

सं. 16-1/2007-डीपी-भारत सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय डेयरी परिसंघ की भारतीय राष्ट्रीय समिति की समीक्षा की है तथा उसका पुनर्गठन किया है और यह निर्णय लिया है कि समिति की अध्यक्षता अब सचिव (पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन), कृषि मंत्रालय द्वारा की जाएगी।

2. प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, आनंद भारतीय राष्ट्रीय समिति के सदस्य-सचिव होंगे।

3. समिति देश में डेयरी गतिविधियों/हितों जैसे उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन, उपकरण निर्माण, वाणिज्य, उपभोग, डेयरी प्रशासन तथा पशुपालन के अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए बृहद दिशानिर्देश तैयार करेगी और अंतर्राष्ट्रीय डेयरी परिसंघ की बैठकों में समन्वित राष्ट्रीय दृष्टिकोण प्रस्तुत करेगी।

4. सचिव (एडीएफ), भारत सरकार द्वारा निर्धारित किए गए समय एवं स्थान पर समिति की बैठकें आवधिक रूप से आयोजित की जाएंगी। समिति का गठन इस प्रकार होगा :—

1. सचिव, (एडीएफ), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार अध्यक्ष
2. अध्यक्ष, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) सदस्य
3. पशुपालन आयुक्त, भारत सरकार सदस्य
4. संयुक्त सचिव (डेयरी विकास), भारत सरकार सदस्य
5. एनडीडीबी बोर्ड से एक सदस्य
6. निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल सहयोजित सदस्य
7. अध्यक्ष, भारतीय डेयरी परिसंघ, नई दिल्ली सहयोजित सदस्य
8. भारतीय मानक व्यूरो, भारत सरकार से प्रतिनिधि सहयोजित सदस्य
9. नई राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि सहयोजित सदस्य
10. उपाध्यक्ष, थोले बाबा दुग्ध आहार उद्योग, धौलपुर, राजस्थान सहयोजित सदस्य
11. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डायनामिक्स उद्योग, महाराष्ट्र सहयोजित सदस्य
12. प्रबंध निदेशक, कर्नाटक दुग्ध परिसंघ, बंगलौर सहयोजित सदस्य
13. प्रबंध निदेशक, प्रादेशिक सहकारी डेयरी परिसंघ, लखनऊ सहयोजित सदस्य
14. प्रबंध निदेशक, पंजाब डेयरी विकास सहकारिता परिसंघ, चंडीगढ़ सहयोजित सदस्य
15. प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, आनंद सदस्य सचिव

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ शासित प्रदेशों के प्रशासनों तथा भारत सरकार के मंत्रालयों के विभागों, योजना आयोग, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, लोकसभा सचिवालय तथा राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाए।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में भी प्रकाशित किया जाए।

चारूशीला सोहोनी
सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(उच्चतर शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 जून 2007

सं. एफ. 9-47/2005/यू-3--जबकि “भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एज्यूकेशन एंड रिसर्च”, चेन्नई जिसमें ‘श्री बालाजी डेंटल कॉलेज एंड हास्पीटल, चेन्नई, भी शामिल है, को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के तहत इस मंत्रालय की उपयोग करते हुए एवं एक और संस्था को शामिल करने के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सलाह पर अब केन्द्र सरकार एटद्युग्म जालेक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ ‘श्री लक्ष्मी नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसिज, पांडिचेरी’ को बाह्य कैम्पस के रूप में “भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एज्यूकेशन एंड रिसर्च”, सम विश्वविद्यालय, चेन्नई के क्षेत्राधिकार में इस घोषणा की तिथि से शामिल करने की घोषणा करती है जो कि निम्नलिखित पैराओं और संबंधित पृष्ठांकों में निर्धारित शर्तों के अधीन होगा।

2002 की अधिसूचना मेंख्या एफ. 9-5/2000-यू.3 के द्वारा पांच वर्ष की अवधि के पश्चात् अधीक्षा की शर्त के आधार पर ‘सम विश्वविद्यालय’ के रूप में घोषित किया गया था।

2. और जबकि नाम सूचीबद्ध इस मंत्रालय के अधिसूचनाओं के माध्यम से केन्द्र सरकार ने हजार भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एज्यूकेशन एंड रिसर्च के अधिकार क्षेत्र में उपरी प्रबंध के तहत कुछ अन्य संस्थाओं को शामिल करने की अनुमति प्रदान कर दी थी जैसा कि नीचे प्रत्येक अधिसूचना के सामने उनके नाम दिए गए हैं :—

1. सं. एफ. 9-5/1100-यू.3 भारत इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, चेन्नई दिनांक 10.1.2003
2. सं. एफ. 9-14/2003-यू.3 श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज एंड हास्पीटल, चेन्नई दिनांक 2.1.2004
3. सं. एफ. 9-4/2005-यू.3 श्री बालाजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, चेन्नई और श्री बालाजी कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, चेन्नई दिनांक 20.2.2007

3. और जबकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने “भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एज्यूकेशन एंड रिसर्च” एवं इनकी संघटक संस्थाओं के कार्यकरण की समीक्षा इस उद्देश्यार्थ गटित विशेषज्ञ समिति से करवाई है और विशेषज्ञ समिति को रिपोर्ट के आधार पर केन्द्र सरकार ने इस मंत्रालय की दिनांक 11 जनवरी 2007 की अधिसूचना सं. एफ. 9-5/2000-यू.3 के द्वारा “भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एज्यूकेशन एंड रिसर्च”, चेन्नई जिसमें एसी शिक्षण संस्थाएं शामिल हैं जो उस समय इसके संघटक एकक थे, को प्रदत्त ‘सम विश्वविद्यालय’ का दर्जा जारी रखने हेतु अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

4. और जबकि माननीय उच्चतम न्यायालय मद्रास, ने दिनांक 2.5.2007 के एक आदेश द्वारा भारत संघ को मेरिट और नियम के अनुसार विचार करने तथा उचित अनुदान देने का निर्देश दिया था;

5. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत प्रात्त अधिकारों का उपयोग करते हुए एवं एक और संस्था को शामिल करने के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सलाह पर अब केन्द्र सरकार एटद्युग्म जालेक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ ‘श्री लक्ष्मी नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसिज, पांडिचेरी’ को बाह्य कैम्पस के रूप में “भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एज्यूकेशन एंड रिसर्च”, सम विश्वविद्यालय, चेन्नई के क्षेत्राधिकार में इस घोषणा की तिथि से शामिल करने की घोषणा करती है जो कि निम्नलिखित पैराओं और संबंधित पृष्ठांकों में निर्धारित शर्तों के अधीन होगा।

6. इस घोषणा के साथ केन्द्र सरकार भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एज्यूकेशन एंड रिसर्च को श्री लक्ष्मी नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसिज, पांडिचेरी द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में 2007-08 से शुरू होने वाले शैक्षणिक वर्ष में छात्रों को दाखिल करने की अनुमति प्रदान करती है वशर्त कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय कालेज की स्थापना, छात्रों का दाखिला, वार्षिक दाखिला क्षमता आदि के लिए अनुमति प्रदान करें।

7. जहां तक शैक्षिक वर्ष 2006-07 हेतु श्री लक्ष्मी नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसिज, में पहले से दाखिल छात्रों की परीक्षा का प्रश्न है श्री लक्ष्मी नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसिज, उस विश्वविद्यालय से सम्पर्क कर सकता है जिससे उसने इन छात्रों को दाखिल करने से पहले संबद्धन प्राप्त किया था अथवा भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एज्यूकेशन एंड रिसर्च पहले से दाखिल छात्रों के प्रथम वर्ष की परीक्षा ले सकता है बशर्ते कि भारतीय चिकित्सा परिषद् के सभी विनियमों तथा दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया जाए और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को कोई आपत्ति न हो।

8. यह घोषणा इस अधिसूचना के पृष्ठांकन की क्र. सं. 6 में उल्लिखित शर्तों के अधीन है।

9. मानव संसाधन विकास मंत्रालय अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग “भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एज्यूकेशन एंड रिसर्च”, चेन्नई अथवा इसकी संघटक संस्थाओं को योजनागत अथवा योजनेतर अनुदान प्रदान नहीं करेंगे।

रवि माथुर
संयुक्त सचिव

MINISTRY OF STEEL

New Delhi, the 25th May 2007

Subject : Constitution of Steel Consumers' Council of Ministry of Steel—regarding.

No. 5(3)/2004-D.I (.)—Ministry of Steel through its Resolution No. 5(3)/2004-DI dated 20th November, 2006 has extended the terms of Steel Consumer Council reconstituted vide its Resolution of even number dated 24th March, 2006. The following representatives of Union territory of Andaman & Nicobar Islands are hereby nominated to Steel Consumers' Council of Ministry of Steel under Para. 7 of Ministry of Steel's Resolution dated 24th March, 2006.

S. No.	Union Territory	Name & address of the nominated member(s)
1.	Andaman & Nicobar Islands	1. Dr. Shanmugam Delinepur, P/13, Andaman 2. Shri Abribaker Junglighat, P/13, Andaman
2.		Under Sl. No. 1(4) of Ministry of Steel's Resolution dated 6th October, 2006, Sh. Holkhopao Mate, F-4/A-131, Shalimar Garden Extension II, Sahibabad, Gaziabad-201005 (U.P.) be read as representative from Manipur instead of Uttar Pradesh.

ORDER

Ordered that a copy of the above Resolution be communicated to all the State Governments, Union Territory Administrations, all the Ministries and the Departments of the Government of India including the Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Parliament Secretariat, Planning Commission and the Comptroller and Auditor General of India and all the members of the Steel Consumer's Council.

2. Ordered also that it be published in the Gazette of India for general information.

KUMAR ARVIND SINGH DEO
Jt. Secy.

MINISTRY OF MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

New Delhi, the 16th June 2007

RULES

No. 4/2/2007-M.II(SM).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 2007 for the purpose of filling vacancies in the following posts are, published for general information :—

Category 1 (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Mines).

(i) Geologist (Junior), Group A.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, the Other Backward Classes and Physically disabled categories in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Appointment on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either:—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Pakistan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 32 years on 1st January, 2007 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1975 and not later than 1st January, 1986.

(b) The upper age limit will be relaxable upto a maximum of seven years in the case of Government servants, if they are employed in a Department mentioned in Column I below and apply for the corresponding post(s) mentioned in Column II.

Column I	Column II
Geological Survey of India	Geologist (Junior), Group A

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.
- (ii) upto a maximum of three years in the case of candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.
- (iii) upto a maximum of five years, if a candidate had ordinarily been domiciled in the State of Jammu & Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to 31st day of December, 1989.
- (iv) upto a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.
- (v) upto a maximum of five years in the case of Ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years of Military Service as on 1st January, 2007 and have been released (i) on completion of assignment including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 2007 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.
- (vi) upto a maximum of 5 years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st January, 2007 and whose assignment has been extended beyond 5 years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (vii) upto a maximum of 10 years in the case of blind, deaf-mute and Orthopaedically disabled persons.

Note I— Candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who are also covered under any other clauses of Rule 5(c) above, viz. those coming under the category of Ex-servicemen persons domiciled in the state of J & K physically handicapped etc. will be eligible for grant of cumulative age-relaxation under both the categories.

Note II— The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as ex-servicemen in the Ex-Servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

Note III— The age concession under Rule 5(c) (v) and (vi) will not be admissible to Ex-Servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs, who are released on their own request.

Note IV— Notwithstanding the provision of age-relaxation under Rule 5(c) (vii) above, a physically handicapped candidate will be considered to be eligible for appointment only if he/she (after such physical examination as the Government or appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found to satisfy the requirements of physical and medical standards for the concerned Services/Posts to be allocated to the physically disabled candidates by the Government.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, Service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates in this part of the instructions include the alternative certificates mentioned above.

Note 1 : Candidates should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission and no subsequent request for its change will be considered or granted.

Note 2 : Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently (or at any other Examination of the Commission) on any ground whatsoever.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer, provided his application, duly recommended, has been forwarded by his parent Department.

6. A candidate must have—

- (a) Master's degree in Geology or Applied Geology or Marine Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad; or
- (c) Master's degree in Mineral Exploration from a recognised University.

Note I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the requisite qualifying examination alongwith the detailed application form which will be required to be submitted by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination.

Note II.—In exceptional cases the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

Note III.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case of a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/ appearing at the examination, their application will be liable to be rejected/candidature will be liable to be cancelled.

9. The decision of the Commission with regard to the acceptance of the application of a candidate for the

examination and the eligibility or otherwise for admission to the examination will be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission, viz. Written Examination and Interview Test will be purely provisional, subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the Written Examination or Interview Test, it is found that they do not fulfil any of eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) being in possession of or using mobile phone, paper or any electronic equipment or device or any other equipment capable of being used as a communication device during the examination; or
- (xii) violating any of the instructions issued to the candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xiii) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable.

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes/Scheduled Tribes or Other Backward Classes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13.(i) After the interview the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes, Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and the Other Backward Classes be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the services.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to any relaxations/concessions

in the eligibility or selection criteria, at any stage of the examination, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes.

14. The prescribed qualifying standards will be relaxable at the discretion of the Commission at all the stages of examination in favour of physically handicapped candidates in order to fill up the vacancies reserved for them. In case, however, the physically handicapped candidates get selected on their own merit in the requisite number at the qualifying standards fixed by the Commission for General SC, ST and OBC category candidates, extra physically disabled candidates i.e. more than the number of vacancies reserved for them, will not be recommended by the Commission on the relaxed standards.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. The candidates who are declared finally successful on the basis of this examination, may be required to undergo the medical examination to ascertain their physical fitness for the post or otherwise. The details of the medical examination are given in the Appendix II to these Rules. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 (Rupees sixteen only) to the Medical Board concerned at the time of the medical Examination.

Note:—In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment in gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II, for the disable Ex-Defence Services personnel, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

18. For being considered against the vacancies reserved for them, the physically disabled persons should have disability of Forty per cent (40%) or more.

However, such candidates shall be required to meet one or more of the following physical requirements/abilities which may be necessary for performing the duties in the concerned Services/Posts:—

CODE PHYSICAL REQUIREMENTS

- F** 1. Work performed by manipulating (with Fingers)
- PP** 2. Work performed by pulling & pushing
- L** 3. Work performed by lifting
- KC** 4. Work performed by kneeling and Crouching
- B** 5. Work performed by bending
- S** 6. Work performed by sitting (on bench or chair)
- ST** 7. Work performed by standing
- W** 8. Work performed by walking
- SE** 9. Work performed by seeing
- H** 10. Work performed by hearing/speaking
- RW** 11. Work performed by reading and writing

The functional classification in their case shall be one or more of the following, consistent with the requirements of the concerned Services Posts—

FUNCTIONAL CLASSIFICATION

CODE FUNCTIONS

- BL** 1. both legs affected but not arms.
- BA** 2. both arms affected—
 - a. impaired reach
 - b. weakness of grip
- BLA** 3. both legs and both arms affected.
- OL** 4. one leg affected (R or L)
 - a. impaired reach
 - b. weakness of grip
 - c. ataxic
- QA** 5. one arm affected (R or L) —do—
- BH** 6. stiff back and hips (cannot sit or stoop).
- MW** 7. muscular weakness and limited physical endurance.
- B** 8. the blind.
- PB** 9. partially blind.
- D** 10. the deaf.
- PD** 11. partially deaf.

19. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

Shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix I.

G. SRINIVAS
Director

APPENDIX-I

1. The examination shall be conducted according to the following plan:—

Part I—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

Part II—Interview and personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks.

2. The following will be the subjects for the written examination:—

Subject	Duration	Maximum Marks		
		1	2	3
(1) General English	2 hrs.	100		
(2) Geology Paper I	3 hrs.	200		
(3) Geology Paper II	3 hrs.	200		
(4) Geology Paper III	3 hrs.	200		

3. THE EXAMINATION IN ALL THE SUBJECTS WILL BE OF CONVENTIONAL (ESSAY) TYPE.

4. All Question Papers must be answered in English. The Question Papers will be set in English only.

5. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

6. Candidates are to write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

7. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

8. If a candidate's handwriting is not easily legible, deduction will be made on this account from the total marks otherwise pertaining to him.

9. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

10. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

11. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

13. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for answering papers in this examination. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

14. Interview for personality Test : The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview will be to assess his suitability for the posts, for which he has competed. Special attention will be paid in the personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

SCHEDULE

STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidate's grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) GENERAL ENGLISH

Candidates will be required to write a Short Essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workman like use of words.

(2) GEOLOGY PAPER I

Section A : Geomorphology and Remote Sensing

Basic principles, Weathering and soils, Mass wasting, Influence of climate on process. Concept of erosion cycles. Geomorphology of fluvial tracts, arid zones, coastal regions, Karst' landscapes and glaciated ranges. Geomorphic mapping, slope analysis and drainage basin analysis. Applications of geomorphology in mineral prospecting, civil engineering, hydrology and environmental studies, Topographical maps, Geomorphology of India.

Concepts and principles of aerial photography and photogrammetry, satellite remote sensing—data products and their interpretation. Digital image processing. Remote sensing in landform and land use mapping, structural mapping, hydrogeological studies and mineral exploration. Global and Indian Space Missions. Geographic Information System (GIS)—principles and applications.

Section B : Structural Geology

Principles of geological mapping and map reading, projection diagrams, Stress-strain relationships of elastic, plastic and viscous materials. Measurement of strain in deformed rocks. Behaviour of minerals and rocks under deformation conditions. Structural analysis of folds, cleavages, lineations. Joints and faults. Superposed deformation. Mechanism of folding and faulting. Time-relationship between crystallization and deformation. Unconformities and basement-cover relations. Structural behaviour of igneous rocks, diapirs and salt domes. Introduction to petrofabrics.

Section C : Geotectonics

Earth and the solar system. Meteorites and other extra-terrestrial materials, Planetary evolution of the earth and its internal structure. Heterogeneity of the earth's crust. Major tectonic features of the Oceanic and Continental crust. Continental drift—geological and geophysical evidence, mechanics, objections, present status. Gravity and magnetic anomalies at Mid-ocean ridges, deep sea trenches, continental shield areas and mountain chains. Palaeomagnetism, Seafloor spreading and Plate Tectonics. Island arcs, Oceanic islands and volcanic arcs, Isostasy, orogeny and epeirogeny, seismic belts of the earth. Seismicity and Plate movements. Geodynamics of the Indian plate.

Section D : Stratigraphy

Nomenclature and the modern stratigraphic code. Radioisotopes and measuring geological time. Geological time-scale, Stratigraphic procedures of correlation of unfossiliferous rocks. Precambrian stratigraphy of India. Stratigraphy of the Palaeozoic. Mesozoic and Cenozoic formations of India, Gondwana system and Gondwanaland, Rise of the Himalaya and evolution of Siwalik basin, Deccan Volcanics. Quaternary stratigraphy, Rock record, palaeoclimates and palaeogeography.

Section E : Palaeontology

Fossil record and geological time-scale. Morphology and time-ranges of fossil groups. Evolutionary changes in molluscs and mammals in geological time. Principles of evolution. Use of species and genera of foraminifera and echinodermata in biostratigraphic correlation. Siwalik vertebrate fauna and Gondwana flora, evidence of life in Precambrian time, different microfossil groups and their distribution in India.

(3) GEOLOGY PAPER II

Section A : Mineralogy

Physical, chemical and crystallographic characteristics of common rock forming silicate mineral groups. Structural classification of silicates. Common minerals of igneous and metamorphic rocks. Minerals of the carbonate, phosphate, sulphide and halide groups.

Optical properties of common rock forming silicate minerals, uniaxial and biaxial minerals. Extinction angles, pleochroism, birefringence of minerals and their relation with mineral composition. Twinned crystals. Dispersion the U-stage.

Section B : Igneous and Metamorphic Petrology

Forms, textures and structures of igneous rocks. Silicate melt equilibria, binary and ternary phase diagrams. Petrology and geotectonic evolution of granites, basalts, andesites and alkali rocks. Petrology of gabbros, kimberlites, anorthosites and carbonatites. Origin of primary basic magmas.

Textures and structures of metamorphic rocks. Regional and contact metamorphism of pelitic and impure calcareous rocks. Mineral assemblages and P/T conditions. Experimental and thermodynamic appraisal of metamorphic reactions. Characteristics of different grades and facies of metamorphism. Metasomatism and granitization. Migmatites. Plate tectonics and metamorphic zones. Paired metamorphic belts.

Section C : Sedimentology

Provenance and diagenesis of sediments. Sedimentary textures, Framework matrix and cement of terrigenous sediments. Definition, measurement and interpretation of grain size. Elements of hydraulics. Primary structure, palaeocurrent analysis. Biogenic and chemical sedimentary structures. Sedimentary environment and facies. Facies modelling for marine, non-marine and mixed sediments. Tectonics and sedimentation. Classification and definition of sedimentary basins. Sedimentary basins of India. Cyclic sediments. Seismic and sequence stratigraphy. Purpose and scope of basin analysis. Structure contours and isopach maps.

Section D : Geochemistry

Earth in relation to the solar system and universe. Cosmic abundance of elements. Composition of the planets and meteorites. Structure and composition of earth and distribution of elements. Trace elements. Elementary crystal chemistry and thermodynamics. Introduction to isotope geochemistry. Geochemistry of hydrosphere, biosphere and atmosphere. Geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

Section E : Environmental Geology

Concepts and principles. Natural hazards—Preventive/Precautionary measures—floods, landslides, earthquakes, river and coastal erosion. Impact assessment of anthropogenic activities such as urbanization, open cast mining and quarrying, river-valley projects, disposal of industrial and radio-active

waste, excessive withdrawal of ground water, use of fertilizers, dumping of industrial waste and fly-ash. Organic and inorganic contamination of ground water and their remedial measures. Soil degradation and remedial measures. Environment protection—legislative measures in India.

(3) GEOLOGY PAPER III

Section A : Industrial mineral deposits and mineral economics

Occurrence and distribution in India of metalliferous deposits—base metals, iron, manganese, aluminium, chromium, nickel, gold, silver, molybdenum. Indian deposits of non-metals—talc, asbestos, barytes, gypsum, graphite, apatite and bentonite. Gemstones, refractory minerals, abrasives and minerals used in glass, fertilizer, paint, ceramic and cement industries. Building stones, Phosphorite deposits, Placer deposits, rare earth minerals.

Strategic, critical and essential minerals. India's status in mineral production. Changing patterns of mineral consumption. National Mineral Policy. Mineral Concession Rules. Marine mineral resources and Law of Sea.

Section B : Ore genesis

Ore deposits and ore minerals. Magmatic processes of mineralisation. Porphyry Skarn and hydrothermal mineralisation. Fluid inclusion studies. Mineralisation associated with (i) ultramafic, mafic and acidic rocks, (ii) greenstone belts, (iii) komatites, anorthosites and kimberlites and (iv) submarine volcanism. Magma-related mineralisation through geological time. Stratiform and stratabound ores. Ores and metamorphism—cause and effect relations.

Section C : Mineral exploration

Methods of surface and subsurface exploration, prospecting for economic minerals—drilling, sampling and assaying. Geophysical techniques—gravity, electrical, magnetic, airborne and seismic. Geomorphological and remote sensing techniques. Geobotanical and geochemical methods. Borehole logging and surveys for deviation.

Section D : Geology of fuels

Definition, origin of coal. Stratigraphy of coal measures. Fundamentals of coal petrology, peat, lignite, bituminous and anthracite coal. Microscopic constituents of coal. Industrial application of coal petrology. Indian coal deposits, diagenesis of organic materials.

Origin, migration and entrapment of natural hydrocarbons. Characters of source and reservoir rocks. Structural, stratigraphic and mixed traps. Techniques of exploration. Geographical and geological distributions of onshore and offshore petroleum basins of India.

Mineralogy and geochemistry of radioactive minerals. Instrumental techniques of detection and measurement of radioactivity. Radioactive methods for prospecting and assaying of mineral deposits. Distribution of radioactive minerals in India. Radioactive methods in petroleum exploration—well logging techniques. Nuclear waste disposal—geological constraints.

Section E : Engineering Geology

Mechanical properties of rocks and soil. Geological investigations for river valley projects—Dams and reservoirs; tunnels—type, methods and problems. Bridges—types and foundation problems. Shoreline engineering. Landslides—classification, causes, prevention and rehabilitation. Concrete aggregates—sources, alkali-aggregate reaction. Aseismic designing—seismicity in India and earthquake resistant structures. Problems of groundwater in engineering projects. Geotechnical case studies of major projects in India.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming upto the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2(a) It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the partially hearing impaired persons only to the extent of posts reserved under physically handicapped category, standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

(b) The medical examination to be conducted shall consist of the entire medical examination which the Medical Board may prescribe for a candidate. The medical examination shall be conducted only in respect of the candidates who have been declared finally successful on the basis of the examination.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidates is declared fit or not fit by the Board.
3. The candidate's height will be measured as follows :—He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect, without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.
4. The candidate's chest will be measured as follows :—He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal place when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in the centimetres thus 84-89, 86-93.5 etc. In according the measurement's fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilogram; fraction of half a kilogram should not be noted.
6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.
 - (i) General :—The candidate's eye will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or continuous structure of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.
 - (ii) Visual Acuity :—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one of the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standard for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant		Near Vision	
Better eye	Worst eye	Better eye	Worse eye
6/9	6/9	0.6	0.8
or	or		
6/6	6/12		

Note : (1) Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed 4.00D. The total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed 4.00D.

Note : (2) Fundus Examination. Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and result recorded.

Note : (3) Colour vision : (i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :

	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and candidate	4.9 metres	4.9 metres
2. Size of aperture	1.3mm.	1.3mm.
3. Time of exposure	5 Sec.	5 Sec.

For the post of Geologist (Jr.) concerning Geological Survey of India, the medical standard in regard to colour perception and all other tests relating to eyes will be of high order.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like edridge green shall be considered quite dependable for testing colour vision while either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the tests both the tests should be employed.

Note (4) : Field of vision—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test, gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

Note (5) : Night Blindness—Night blindness need not be tested as a routine but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such a rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

Note (6) : (a) Ocular conditions other than visual acuity—Any organic disease or a progressive reactive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) Trachoma—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) Squint—Where the presence of binocular vision is essential squint eyes if the visual acuity is of a prescribed standard should be considered a disqualification.

(d) One-eyed persons—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15–25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidates should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber

over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level : they may disappear as pressure falls and re-appear at still lower level. This silent gap may cause error in readings).

8. The urine passed in presence of the examiner, should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory be considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will issue its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit till confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if, the defect in hearing

is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that accounts, provided he/she has no progressive.

<p>(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal.</p> <p>(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.</p> <p>(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.</p> <p>(4) Ears with Mastoid cavity subnormal one side/on both sides.</p> <p>(5) Persistently discharging ear operated/unoperated.</p> <p>(6) Chronic inflammatory/allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal septum.</p>	<p>Fit for non-technical job if the deafness is upto 30 decible in higher frequency.</p> <p>Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in speech frequencies of 1000 to 4000.</p> <p>(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present. Temporarily unfit. Under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation, in both ears should be given a chance by declaring him temporary unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.</p> <p>(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.</p> <p>(iii) Central perforation in both ears—Temporarily unfit.</p> <p>(i) Either ear normal hearing other ear, mastoid cavity-fit for both technical and non-technical jobs.</p> <p>(ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.</p> <p>Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.</p> <p>(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.</p> <p>(ii) If deviated nasal Septum if present with symptoms temporarily unfit.</p>
---	---

(7) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and or larynx.

(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.

(9) Otosclerosis.

(10) Congenital defect of ear, nose or throat.

(11) Nasal Poly.

(b) that his speech is without impediment;

(c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound').

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that it is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination will be restricted to only such candidates who are declared finally successful at the concerned Geologists' Examination.

The decision of the Chairman of the Central Standing Medical Board (conducting the medical examination of the

concerned candidate) about the fitness of the candidate shall be final.

When any defect is found it must be noted in that Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note.—Candidate are warned that there is no right of appeal from a Medical Board special or standing appointed to determine the fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate had already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following information is made for the guidance of the Medical Examiner:—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases if found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) are liable for field service in or out of India. In the case of such a

candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a Medical Board considered that a minor appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considered that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Boards' opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been affected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidate who are to be declared temporarily 'Unfit', period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a

final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).....
2. State your age and birth place.....
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes, etc. whose average height is distinctly lower, Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is "Yes" state the name of the race.
- (b) Have you ever had smallpox intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease lung fainting attacks, rheumatism; appendicitis.
- (c) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.
4. Have you suffered any form of nervousness due to overwork or any other cause?

5. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living their ages and state of health	No. of brothers dead their ages and cause of death	Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living their ages and state of health	No. of sisters dead their ages and cause of death
1	2	3	4	5	6	7	8

6. Have you been examined by a Medical Board before?

7. If answer to the above is 'Yes' please state that Services/posts you have examined for?

8. Who was the examining authority?

9. When and where was the Medical Board held?

10. Results of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known.....

11. All the above answers are to the best of my knowledge & belief, true and correct and I shall be liable for action under law for any material infirmity in the information furnished by me or suppression of relevant material information. The furnishing of false information or suppression of any factual information would be a disqualification and is likely to render me unfit for employment under the Government. If the fact that false information has been furnished or, that there has

been suppression of any factual information comes to notice at any time during my service, my services would be liable to be terminated.

Candidate's Signature
Signed in my presence
Signature of the Chairman of the Board

PROFORMA I

Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development : Good..... Fair.....
Poor.....

Nutrition : Thin..... Average.....
Obese..... Height (without shoes).....
Weight.....

Any recent change in weight.....

Temperature.....

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration).....

(2) (After full expiration).....

2. Skin : Any obvious disease.....

3. Eyes.....

- Any disease.....
- Night blindness.....
- Defect in colour vision.....
- Field of Vision.....
- Fundus Examination.....
- Visual Acuity.....
- Ability for stereoscopic vision.....

Acuity of Naked eye with glasses Strength of glasses Sph. eye Axis

Distant Vision

RE
LE

Near Vision

RE
LE

Hypermetropia (Manifest)

RE
LE

4. Ears : Inspection..... Hearing :
Right Ear..... Left Ear.....

5. Glands..... Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?

If yes, explain fully.....

8. Circulation system.....

- Heart and organic lesions.....
Rate : Standing.....
After hopping 25 times.....
2 minutes after hopping.....
- Blood Pressure :

Systolic..... Diastolic.....

9. Abdomen : Girth.....

Tenderness.....

Hernia.....

- Palpable Liver..... Spleen
Kidneys..... Tumours
- Haemorrhoids..... Fistula

10. Nervous System : Indications if nervous or mental disabilities.....

11. Loco Motor System : Any abnormality.....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

Urine Analysis

- Physical appearance.....
- Sp. Gr.
- Albumen
- Sugar.....
- Casts.....
- Cells.....

13. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate.....

Note :—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit vide regulation 9.

.....
.....

14. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

.....
.....

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE?

Note (I) : The Board should record their findings under one of the following three categories :

- Fit.....
- Unfit on account of
- Temporarily unfit on account of

Note (II) : The candidate has not undergone chest X-Ray test. In view of this, the above findings are not final and are subject to the report on chest X-Ray test.

Place :

Date :

Signature
Chairman
Member
Member
Seal of the Medical Board

PROFORMA II

Candidate's Statement/Declaration

1. State your Name
(in block letter)

Roll No.

Candidate's Signature
Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

To be filled-in by the Medical Board

Note : The Board should record their findings under one of the following three categories in respect of chest X-Ray test of the candidate.

Name of the candidate.....

(i) Fit.....
(ii) Unfit on account of.....
(iii) Temporarily unfit on account of.....

Place :

Date :

Signature
Chairman
Member
Member

Seal of the Medical Board

APPENDIX-III

Brief particulars relating to the post for which recruitment is being made through this examination.

Geological Survey of India

Geologist (Junior), Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India :

(i) Geologist (Junior) (Junior Time Scale)—Rs. 8,000-275-13,500/-.
(ii) Geologist (Senior) (Senior Time Scale)—Rs. 10,000-325-15,200/-.
(iii) Director (Geology)—Rs. 12,000-375-16,500/-.
(iv) Director (Geol.) (Non-Functional Selection Grade)—Rs. 14,300-400-18,300/-.
(v) Dy. Director General (Geology)—Rs. 18,400-500-22,400/-.
(vi) Sr. Dy. Director General (Operation)—Rs. 22,400-525-24,500/-.
(vii) Director General—Rs. 26,000/- (fixed).

(d) Promotions to the higher grade of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

G. SRINIVAS
Director

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF ANIMAL HUSBANDRY, DAIRYING & FISHERIES)

New Delhi-110001, the 8th May 2007

RESOLUTION

No. 16-1/2007-DP.—The Government of India have reviewed and re-constituted the Indian National Committee of International Dairy Federation and decided that committee will now be chaired by Secretary (ADF), Ministry of Agriculture.

2. Managing Director, National Dairy Development Board, Anand will be the Member-Secretary of the Indian National Committee.

3. The committee will formulate broad guidelines for a national dairy policy keeping in view the dairy activities/interests in the country such as production, processing, marketing, equipment manufacture commerce, consumption, dairy administration and other aspects of Animal husbandry and present a coordinated national view at the meetings of the International Dairy Federation.

4. The Committee will meet periodically at such time and place as may be decided by the Secretary (ADF), Government of India. The composition of the committee is as under:—

1. Secretary (ADF), Ministry of Agriculture, President Government of India	
2. Chairperson, National Dairy Development Board (NDDB)	Member
3. Animal Husbandry Commissioner, Government of India	Member
4. Joint Secretary (Dairy Development), Government of India	Member
5. One member from Board of NDDB	Member
6. Director, National Dairy Research Institute, Karnal	Co-opted Member
7. President, Indian Dairy Association, New Delhi	—do—
8. Representative from Bureau of Indian Standards, Government of India	—do—

9. Representative from the New National Food Safety Authority, Min. of Health, Government of India	- do -
10. Vice President, Bhole Baba Milk Foods Industries, Dholpur, Rajasthan	- do -
11. Chief Executive Officer, Dynamix Industries, Maharashtra	- do -
12. Managing Director, Karnataka Milk Federation, Bangalore	- do -
13. Managing Director, Pradeshik Co-op. Dairy Federation, Lucknow	- do -
14. Managing Director, Punjab Dairy Development Coop. Federation, Chandigarh	- do -
15. Managing Director, NDDB, Anand	Member Secretary

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments, Administration of Union Territories and the Departments of Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

2. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

CHARUSHEELA SOHONI
Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION)

New Delhi-1, the 4th June 2007

No. F. 9-47/2005-U.3.—Whereas the Central Government had declared Bharath Institute of Higher Education & Research (BIHER), Chennai, comprising 'Sree Balaji Dental College and Hospital', Chennai, as deemed-to-be-university under the meaning of Section 3 of the University Grants Commission (UGC) Act, 1956 vide this Ministry's notification No. F. 9-5/2000-U.3 dated the 4th July, 2002, subject to a review after five years.

2. And whereas, vide notifications of this Ministry listed below the Central Government had allowed the inclusion of certain other institutions under the same management in the ambit of the said 'Bharath Institute of Higher Education & Research' as indicated below against each notification :—

St. No.	Notification Number & Date	Name of the Institution included under the ambit of BIHER, Chennai
(i)	No. F. 9-5/2000-U.3, Dated 10.01.2003	Bharath Institute of Science and Technology, Chennai
(ii)	No. F. 9-14/2003-U.3, Dated 02.01.2004	Sree Balaji Medical College and Hospital, Chennai
(iii)	No. F. 9-47/2005-U.3, Dated 20.02.2007	Sree Balaji College of Nursing, Chennai and Sree Balaji College of Physiotherapy, Chennai.

3. And whereas, on the basis of a review of the functioning of the BIHER and its constituent institutions carried out by the UGC through an Expert Committee constituted for this purpose, and on the basis of its recommendation thereof, the Central Government accorded approval to the continuance of the status of 'Deemed-to-be-University' granted to "BIHER", Chennai, comprising the teaching institutions which were its constituent units at that point of time, vide this Ministry's notification No. F. 9-5/2000-U.3, dated the 11th January, 2007.

4. And whereas, the Hon'ble High Court of Judicature at Madras had by an order dated 02.05.2007 directed the Union of India to consider and pass appropriate orders on merits and in accordance with law;

5. Now, the Central Government, in exercise of the powers conferred by Section 3 of the UGC Act, 1956, and on the advice of the UGC in the matter of inclusion of one more institution, do hereby allow that 'Sri Lakshmi Narayana Institute of Medical Sciences (SLNIMS), Puducherry be included under the ambit of "Bharath Institute of Higher Education & Research (BIHER)", Deemed-to-be-University' Chennai, as its off-campus centre, for the purposes of the aforesaid Act, with effect from the date of this declaration, subject to conditions as are prescribed in the following paragraphs and relevant endorsements.

6. With this declaration, the Central Government permits BIHER to admit batches of students for the course run by SLNIMS from the academic year starting 2007-2008 subject to the approval of the Ministry of Health and Family Welfare for establishing of the college, admission of students, annual intake capacity of students, etc.

7. As regards the examination of students already enrolled with SLNIMS for the academic year 2006-07, the SLNIMS may approach the university from which consent for affiliation was obtained by them prior to admitting these students, or the BIHER may hold 1st year examination for the already enrolled students subject to the condition that all regulations and guidelines of the Medical Council of India are followed and the Ministry of Health and Family Welfare has no objection.

8. The declaration is subject to further conditions as mentioned at Sl. No. 9 of the endorsement of this notification.

9. The Ministry of Human Resource Development or the University Grants Commission will not provide any Plan and Non-Plan grants either to the 'BIHER', Deemed-to-be-University' Chennai or to any of its constituent institutions.

RAVI MATHUR
Jt. Secy.

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद (पंजाब) मुद्रित
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 2007।

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, NEW DELHI AND
PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, NEW DELHI 2007